भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2305

जिसका उत्तर 7 अगस्त, 2026 को दिया जाना है ।

16 श्रावण, 1948 (शक)

आयातित चिप उपकरणों पर निर्भरता में कमी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी अंतराल

2305. श्री आर. गिरिराजनः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपए के बजटीय प्रावधान को मंजूरी दी है और फिर भी इस क्षेत्र को कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि 90 प्रतिशत से अधिक चिप उपकरण अभी भी आयात किए जाते हैं; और

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा आयातित उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता और आपूर्ति श्रृंखला अंतरालों को कम करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और **(ख):** सेमीकंडक्टर के महत्व को पहचानते हुए, सरकार ने जनवरी 2022 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया ताकि सेमीकंडक्टर फैब्स, डिस्प्ले फैब्स, सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की स्थापना की जा सके और भारतीय डिज़ाइन किए गए चिप्स को भी बढ़ावा दिया जा सके।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत, सरकार ने 12 सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता के लिए चौबीस (24) सेमीकंडक्टर डिजाइन परियोजनाओं और अवसरंचना समर्थन के लिए 105 स्टार्टअप/एमएसएमई को भी मंजूरी दी गई है।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत इन स्वीकृत परियोजनाओं ने अपस्ट्रीम सप्लाई चेन की मांग उत्पन्न की है। आत्मनिर्भरता को और बढ़ावा देने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण और डिजाइन कंपनियों के साथ-साथ एक सुदृढ़ सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला इकोसिस्टम के विकास की कल्पना की है।

तदनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 15.07.2026 को आयोजित अपनी बैठक में 1.275 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी है। सेमीकॉन 2.0 निम्नलिखित छह स्तंभों पर आधारित है जो सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के सभी पहलुओं को समाहित करते हैं:

	स्तंभ	**खंड**
1	चिप्स का डिजाइन	रणनीतिक और वाणिज्यिक चिप्स
2	मशीनें और सामग्री	उपकरण, रसायन, गैसें, सामग्री
3	अधिक फैब की स्थापना	सिलिकॉन, डिस्प्ले, कंपाउंड आदि।
4	एटीएमपी/ओएसएटी उद्योग को और अधिक सुदृढ़ करना	उन्नत और पारंपरिक पैकेजिंग
5	अनुसंधान एवं विकास	उन्नत प्रौद्योगिकियां
6	प्रतिभा विकास	डिजाइन एवं विनिर्माण प्रतिभा

*****